कौटिल्य एकेडमी

नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

306666

Paper Code
GS-VI

ASHISH
SENTIYA

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखें –
(1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें –

नाम Ashish Sentiya (आशीष सेंतिया)

Paper Code
GS-VI

306666

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें

वीक्षक द्वारा भरा जावे।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें।

(केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील परीक्षा भवन में)

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(1) ज्ञान का व्यवहारिक होना सभ्य समाज का द्योतक है।

(2) भारत में स्वास्थ्यः स्थिति, समस्या तथा सुधार।

(3) भारत और कोविड-19

(4) अंतर्राज्यीय जल - विवाद।

उत्तर : (3) भारत और कोविड-19

शायद ही किसी ने सोचा होगा कि साल 2020 अपनी शुरुआत में ही एक त्रासदी में परिवर्तित हो जाएगा। दुनिया में साल 2020 का स्वागत धूमधाम से किया गया परंतु उस समय लोग आनेवाले खतरे से अनजान थे।

कोरोना-19 त्रासदी के पूर्व संसार के सारे व्यक्तियों को लगता था कि 'महामारी' तो केवल इतिहास की बात है और अब ऐसी कोई त्रासदी विश्व में हो ही नहीं सकती।

लेकिन हुआ इसके बिल्कुल विपरीत। मार्च 2020 आते-आते एक विशेष प्रकार के ~~इंफ्लुएंजा~~ इंफ्लूऐंज़ा फैलना आरंभ हो गया। इस रहस्यमय बीमारी की फैलने की दर इतनी तीव्र थी कि देखते ही देखते विश्व में लाखों लोग इससे संक्रमित हो गए।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी इस रहस्यमयी बिमारी का स्रोत पता लगाने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना पड़ा।

आखिरकार विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसकी पुष्टि की एक विशेष प्रकार का इंफ्लूएंजा तेज़ी से फैल रहा है। चूंकि यह वायरस की एक विशेष प्रजाति यानि 'कोरोनावायरस' द्वारा जनित रोग था इसी कारण से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसका नामकरण 'कोविड-19' कर दिया जिसमें 'कोविड' कोरोनावायरस डिसीस है और 19 का मतलब साल 2019 है जब यह बिमारी चीन से आरंभ हुई।

दरअसल, साल 2019 के आखिरी में चीन के 'वुहान प्रांत' इस बीमारी की शुरुआत हुई। आरंभ में चीन की 'वामपंथी सरकार' ने विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बीमारी से जुड़े तथ्यों को छिपाया जिसके कारण आज वर्तमान में यह 'बीमारी' एक 'महामारी' में परिवर्तित हो गई।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

भारत में कोरोना का पहला केस केरल राज्य में साल 2020 के प्रारंभ में आया। मार्च 2020 आते-आते केसों की संख्या में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई।

परिणामस्वरूप, सरकार को 21 मार्च 2020 से 'देशव्यापी लॉकडाउन' की घोषणा करनी पड़ी। इस लॉकडाउन की घोषणा औपचारिक तौर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रात्रि 8 बजे एक विडियो संदेश के माध्यम से की।

फिर क्या था, कोरोना महामारी के खिलाफ भारत ने जंग का ~~आगाज न~~ आगाज़ कर दिया।

पर उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यह जंग इतनी लंबी भी खिंच सकती है।

महामारी के ~~प्रथम चरण के~~ नियंत्रण के लगाए गए प्रथम चरण के देशव्यापी लॉकडाउन ने तो देश की अर्थव्यवस्था की कमर ही तोड़ दी। कई लोग बेरोज़गार हो गए, सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर श्रमिकों एवं उनके परिवारों की घर-वापसी का सिलसिला आरंभ हो गया।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

कोई मालगाड़ी के गार्ड केबिन में, कोई लोडिंग वैन में, कोई ट्रक में, तो कोई साइकिल, ऑटोरिक्शा, स्कूटर से अपने गाँव की ओर निकल पड़ा। जिसको कुछ नहीं मिला तो वह पैदल ही अपने गाँव की ओर निकल पड़ा।

इसका परिणाम यह हुआ कि जो कोरोना केवल महाराष्ट्र, केरल तक ही सीमित था वह अब मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान इत्यादि राज्यों में फैल गया।

ऐसे में देश में स्थिति विकराल हो गई। एक ओर तो लोगों के छिप-छिपकर आने के कारण कोरोना के मामले तीव्रता से बढ़ने लगे, तो वहीं दूसरी ओर देश में पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट (PPE किट), मास्क, वेंटिलेटर, सैनेटाइज़र की भारी कमी महसूस की गई।

ऐसे घोर संकट में हमारे देश की सरकार एवं उद्योगपतियों ने इससे निपटने के लिए अथक परिश्रम किया। इसके परिणाम भी जल्द सामने आने। जुलाई 2020 आते-आते कोरोना के मामले में तेज़ी से वृद्धि हुई लेकिन सरकार

Scanned with CamScanner

1x50=50

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

ने जब तक स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए कमर कस ली थी।

देखते ही देखते हमारा देश पी.पी.ई. किट सैनेटाइज़र, मास्क, वैंटिलेटर इत्यादि के निर्माण में आत्मनिर्भर बन गया।

वर्तमान में हमारे देश में प्रतिदिन करीब 4.5 लाख पी.पी.ई. किट का निर्माण विभिन्न स्वदेशी इकाइयों द्वारा किया जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर चीनी मिलों के बचे हुए गन्ने के रस को आलकोहल में परिवर्तित करके आज देश के लगभग सभी स्थानों पर स्थानीय दवा इकाइयों द्वारा लाखों लीटर सैनेटाइज़र का निर्माण किया जा रहा है।

इसी प्रकार से देश की ढुलमुल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृण करने में कोरोना महामारी ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

केंद्र सरकार ने कोविड-19 से निपटने के लिए मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालयों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का वर्गीकरण कर

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

दिया है। इसके परिणामस्वरूप अब देश में वर्तमान समय में 'त्रिस्तरीय' कोविड अस्पताल हैं।

पहले है एल-1 अस्पताल जो कि सामान्य लक्षणों वाले मरीजों के उपचार के लिए है। एल-2 अस्पताल गंभीर लक्षण वाले मरीजों के इलाज के लिए है। एल-3 अस्पताल अति-गंभीर लक्षण वाले मरीजों के उपचार के लिए है।

इसी प्रकार से देश में एक बड़ी संख्या में मास्क का निर्माण वर्तमान में किया जा रहा है। शुरुआत में हमें 'एन-95' मास्क का आयात करना पड़ा था लेकिन अब हमारे देश में टू-प्लाई, थ्री प्लाई, एन-95, कपड़े के मास्क इत्यादि का उत्पादन स्वदेशी इकाइयों द्वारा किया जा रहा है।

किसी स्वदेशी कंपनियों ने लॉकडाउन के समय से ही वेंटीलेटर का निर्माण आरंभ कर दिया था। परिणामस्वरूप, आज देश में पर्याप्त मात्रा में वेंटीलेटर मौजूद है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50

प्राप्तांक

इसी प्रकार से केंद्र सरकार ने अपने प्रवासी नागरिकों यानि एन.आर.आई. (नॉन रेसिडेन्ट इंडियन) की स्वदेश-वापसी के लिए भी कई अभियान आरंभ किए थे।

इन अभियानों के अंतर्गत ~~ब~~जलसेना, वायुसेना एवं एयर इंडिया द्वारा ईरान, मॉरिशस, ~~मल~~ मालदीव, श्रीलंका, अमेरिका, ब्रिटेन ~~इ~~ जैसे देशों में फँसे प्रवासी भारतीयों को स्वदेश लाने का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को काफी हद तक पूरा कर लिया गया।

कोरोना ने न केवल राजनैतिक स्तर पर अपितु सामाजिक स्तर पर कई बदलाव किए।

भारतीय समाज में कोरोना महामारी के कारण इस प्रकार के बदलाव देखे गए। पहला, तो यह कि आमजनों को यह पता चला कि हाथों को ~~कीट की~~ टाणुमुक्त बनाने के लिए कम-से-कम '20 सेकंड' तक हाथों को ~~ध~~ धोना अनिवार्य होता है। दूसरा, कोरोना महामारी से बचाव के लिए 'फेस मास्क' अथवा 'फेस कवर' अनिवार्य है। ~~लोगों ने~~ तीसरा, लोगों ने गले मिलने या हाथ मिलाने के स्थान पर

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

भारतीय परंपरा का अनुसरण करते हुए 'नमस्ते' करना एक बार पुनः आरंभ कर दिया। बाद में इसका अनुसरण कोरोना काल के दौरान विश्व के अनेक हिस्सों में किया गया।

चौथा, आमतौर पर भारतीय उत्सवों एवं विवाह समारोह में भीड़-भाड़ का बोलबाला रहता था लेकिन कोरोना के काल में लोगों के विवाहोत्सवों एवं त्योहारों केवल अपने रिश्तेदार एवं इष्ट मित्रों को आमंत्रण देना आरंभ कर दिया है।

पाँचवा, सामाजिक बदलाव हमारे देश में यह देखा गया कि लोगों से गुलजार रहने वाले पार्क, मॉल, चबूतरे, शामियाने आज खाली पड़े हुए हैं, और लोग घर में ही रहना पसंद कर रहे हैं।

छठवाँ 'वर्क फ्रॉम होम' कल्चर अब हमारे देश की निजी कंपनियों द्वारा खूब इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

अतः ऐसा कहा जा सकता है कि समाज का

1x50=50

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

प्रत्येक सदस्य किसी न किसी रूप में इस महामारी से प्रभावित हुए है।

केंद्र एवं राज्य सरकारों ने भी कोरोना काल में कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की थी। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार हो गए प्रवासी श्रमिकों का भरण-पोषण करना था।

इनमें सर्वप्रथम थी 'आत्मनिर्भर भारत योजना' जिसके तहत केंद्र सरकार ने संकट को अवसर में बदलने का प्रयास किया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रवासी मजदूरों का भरण-पोषण, लघु एवं मध्यमों उद्योगों को फिर से आर्थिक रूप से सक्षम बनाना था।

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले लोगों को लॉकडाउन की अवधि के दौरान 3 माह की अवधि तक मुफ्त में 5 किलो गेहूँ/चावल और 1 किलो दाल दी गई थी।

कोरोना काल में मध्यप्रदेश सरकार ने भी कई नीतियों का क्रियान्वयन किया। इनमें से एक थी

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी)

पू./M = 50

प्राप्तांक

'मुख्यमंत्री जीवन शक्ति योजना' जिसके अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों से प्रदेश सरकार 11 रु / प्रति मास्क की दर से मास्क का क्रय किया। जो गरीब बच्चे मध्यान्ह भोजन से लॉकडाउन के कारण वंचित हो गए थे उन्हें उनके घर तक मध्यान्ह भोजन राशन के रूप में पहुँचाया गया। इसके अतिरिक्त बच्चों की पढ़ाई बाधित न होने पाए इसके लिए 'मेरा घर मेरा विद्यालय' नीति चलाई गई। प्रदेश की जनता में कोरोना के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए 'एक मास्क अनेक ज़िंदगी' एवं 'रोको-टोको' अभियान भी चलाया गया।

परंतु यह भी प्रदेश एवं देश के समस्त वासियों को स्मरण में रखनी चाहिए कि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है। भारत में कोरोना की दो वैक्सीन उपलब्ध है → 'कोविडशील्ड' और 'कोवैक्सीन' परंतु अभी लड़ाई अभी और लंबी जाएगी।

अंततः भारत के उत्कृष्ट ~~प्रद~~ प्रदर्शन के लिए दो पंक्तियाँ इस प्रकार है :-

हाँ, वृद्ध भारत देश ही विश्व का सिरमौर है
ऐसा पुरातन देश क्या विश्व में कोई और है?

→ मैथिली शरण गुप्त

Scanned with CamScanner

1x25=25

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 25

प्राप्तांक

(1) राजभाषा हिन्दी की विकास यात्रा।

(2) अनुशासन सभ्य समाज की धुरी।

(3) भारत और कल्याणकारी राज्य।

उत्तर (...) : (2) अनुशासन सभ्य समाज की धुरी

~~रहिमन~~ जो रहिमन उत्तम प्रकृति का, का करि सकत कुसंग
चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहे भुजंग ||

→ रहीम

रहीम द्वारा रचित इन पंक्तियों से ~~अनुस~~ जीवन में अनुशासन के महत्व को भलिभांति समझा जा सकता है। इन पंक्तियों के द्वारा रहीम यह कहना चाहते हैं कि यदि कोई व्यक्ति उत्तम स्वभाव यानि सज्जन है तो बुरे से बुरा व्यक्ति भी उसका ~~स्व~~ स्वभाव नहीं परिवर्तित कर सकता।

यह उसी प्रकार है जैसे चंदन के पेड़ों पर सांपों के लिपटने के बावजूद भी ~~उसमें~~ वे ~~विष~~ विषैले नहीं होते।

अनुशासित व्यक्ति सदैव सत्यनिष्ठ और ~~एक~~ एकाग्रचित्त रहता है। वह सांसारिक आनंदों एवं आडंबरों में फसकर अपने काम,

Scanned with CamScanner

1x25=25

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

पू./M = 25

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

शक्ति और ऊर्जा को बर्बाद नहीं करता। कुसंगति लोग चाहे जितना उसे मार्ग से भटकाने का प्रयास कर ले परंतु वह तनिक भी नहीं डिगता।

परिणामस्वरूप वह अपना लक्ष्य पाकर ही रहता है। ऐसे कई ~~उदा~~ उदाहरण विश्व में देखने को मिल जाएंगे जिन्होंने अनुशासित रहकर अपने जीवन में लक्ष्यों को प्राप्त किया।

नेल्सन मंडेला (दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति) ने 27 वर्ष के कारावास के बावजूद भी अपने देश 'नस्लभेद' (अपार्थिड) को समाप्त करके ही चैन लिया।

हमारे देश के ~~राष्ट्रपति~~ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अनुशासित रहकर और 'सत्य' और 'अहिंसा' के मार्ग पर चलकर ब्रिटेन जैसी औपनिवेशिक शक्ति से भी देश को आजादी दिला दी।

अनुशासित रहने का सिद्धांत केवल व्यक्ति तक ही नहीं अपितु पूरे समाज के लिए भी लागू होता है। इसके भी कई उदाहरण हैं कि यदि किसी समाज के सदस्य अनुशासित और

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

(.....) Continue (जारी)

पू./M = 25

प्राप्तांक

रहे तो कैसे एक सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है।

प्राचीन काल में हड़प्पा की सभ्यता और वर्तमान में जापान और इजराइल जैसे छोटे देश इसकी जीती - जागती मिसाल है।

जापान जैसे छोटे से क्षेत्रफल वाले देश ने तो पूरे विश्व के समक्ष यह सिद्ध कर दिया है कि यदि देश के सभी लोग अनुशासित हो तो किस प्रकार से उन्नति एवं सभ्यता की नई इबारत लिखी जा सकती है।

चाणक्य ने कहा है कि → "एक फूल की सुगंध केवल हवा की दिशा में ही फैलती है परंतु एक सभ्य व्यक्ति की अच्छाई चारों दिशाओं में स्वत: ही फैल जाती है।"

अत: यदि सभ्य समाज और प्रगति के पथ पर अग्रसर होना है तो यह किसी भी समाज के सदस्य का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए कि वह अनुशासन में रहना सीखे और व्यर्थ की गतिविधियों में अपना धन, श्रम और शक्ति को बर्बाद न करे।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(1) ई - गवर्नेंस।

(2) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाएं।

(3) क्या लोकपाल भ्रष्टाचार को खत्म में सफल है ?

उत्तर (...) :

(2) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाएँ

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था में प्राचीन काल से ही महत्वपूर्ण योगदान देती हुई चली आ रही है। चाहे वह हड़प्पा की सभ्यता हो या मुगल काल या फिर ब्रिटिश काल, इन सब में कृषि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्तमान समय में भी हमारे देश में कृषि क्षेत्र को विशेष दर्जा हासिल है।

" जय जवान , जय किसान "

लाल बहादुर शास्त्री द्वारा दिए गए इस नारे से यह सिद्ध होता है कि हमारे देश में किसान को एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है।

अभी भी हमारे देश की लगभग 50% कार्यशील जनता कृषि या उससे संबंधित कार्यों से

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

जुड़ी हुई है। लेकिन वर्तमान में कृषि क्षेत्र का देश के जी.डी.पी. में योगदान लगभग 15% पर सिमट कर रह गया है।

यह कृषि क्षेत्र में कम होती आय और गिरती हुई कार्यक्षमता का सूचक है। इसी को संज्ञान मे लेते वर्तमान की एन.डी.ए. सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है जिसे वह 2022 तक हासिल कर लेना चाहती है।

ऐसे में आवश्यक है कि कृषि और उससे संबंधित क्षेत्रों में वैकल्पिक आय के साधनों को विकसित करने पर बल दिया जाए।

खाद्य प्रसंस्करण, इसमे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। खाद्य प्रसंस्करण का अर्थ होता है कृषि उपज का मूल्य वर्धन करना। यह पैकिंग, फोर्टिफिकेशन, खाद्यान्नों की सफाई इत्यादि प्रक्रियाए इसमें शामिल होती है।

खाद्य प्रसंस्करण की हमारे देश में अपार संभावनाएँ दिखाई पड़ती है। सर्वप्रथम, ऐसा

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

(.....) Continue (जारी) पू./M = 25 प्राप्तांक

इसलिए क्योंकि भारत की जनसंख्या लगभग (138 करोड़) हो चुकी है। इतनी विशाल जनसंख्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को एक वृहत 'उपभोक्ता-परिवार' उपलब्ध करा सकेगी। दूसरा, खाद्य प्रसंस्करण का मुख्य उद्देश्य है कि कृषि उत्पादों का मूल्य वर्धन करना। अतः यह कृषकों की आय दोगुना करने के लक्ष्य (2022 तक) को पाने में सहायक सिद्ध होगा। तीसरा, यह है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों द्वारा हम साधारण जैसे गेहूँ, चावल इत्यादि खाद्यान्नों का 'फोर्टिफिकेशन' करके उनमें आवश्यक 'विटामिन' एवं 'मिनरल' का समायोजन कर सकते हैं। यह प्रसंस्कृत खाद्यान्न को आसानी से उन लोगों तक पहुँचाया जा सकता है जो गरीबी के कारण पौष्टिक आहार नहीं ग्रहण कर पाते।

इस प्रकार से खाद्य प्रसंस्करण के द्वारा हम एक कई लक्ष्यों की पूर्ति कर सकते हैं। परंतु आवश्यकता इस बात की है प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कोल्ड स्टोरेज की संख्या में वृद्धि, अत्याधुनिक और गतिशील सड़क एवं रेल यातायात, सस्ते और सुलभ कर्ज सरकार द्वारा इस उद्योग से संबंधित लोगों को दिए जाएँ।